

## नईदुनिया



# एशियाई खेल 2026 : लवलीना बोरगोहेन ने रचा इतिहास 75 किग्रा वर्ग में भारत को पहली बार दिलाया स्वर्ण

**आइवी-नागोया**  
भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए महिलाओं के 75 किग्रा वर्ग में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक दिलाया। लवलीना ने शुक्रवार को फाइनल में चीन की बाओ जीई को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।  
पिछले एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली लवलीना ने इस बार अपने प्रदर्शन में एक कदम आगे बढ़ते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। वह 2014 के बाद एशियाई खेलों में महिला मुक्केबाजी का स्वर्ण जीतने वाली मैरी काम के बाद दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज भी बन गई हैं।  
चीनी मुक्केबाज के खिलाफ लवलीना ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की। पहला राउंड बेहद करीबी रहा, लेकिन भारतीय मुक्केबाज ने 3-2 के विभाजित फैसले से बढ़त हासिल कर ली।  
दूसरे राउंड में चीन की बाओ जीई ने दबाव बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन लवलीना ने धैर्य बनाए रखा और 4-1 के फैसले से यह राउंड भी अपने नाम किया। तीन जजों ने मुकाबले को बराबरी का माना, जबकि दो जजों ने लवलीना के पक्ष में 20-18 का स्कोर दिया।

तीसरे और अंतिम राउंड में लवलीना ने समय का शानदार प्रबंधन किया। उन्होंने शुरुआती दो राउंड में बनाई बढ़त को बरकरार रखा, जबकि बाओ जीई स्कोर पलटने के लिए लगातार प्रयास करती रहीं। अंतिम राउंड का फैसला भी 4-1 से लवलीना के पक्ष में रहा और कुल मिलाकर उन्होंने 5-0 से मुकाबला जीत लिया। लवलीना का यह एशियाई खेलों में दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने रजत पदक जीता था। वह टोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीत चुकी हैं और 2023 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक भी हासिल कर चुकी हैं। 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने रजत पदक जीता था।

असम के गोलाघाट जिले के बरो मुखिया गांव में 2 अक्टूबर 1997 को जन्मी लवलीना ने सीमित संसाधनों के बीच अपने मुक्केबाजी करियर की शुरुआत की। उन्होंने 2018 और 2019 विश्व चैंपियनशिप में लगातार कांस्य पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। टोक्यो ओलंपिक का कांस्य पदक जीतकर वह ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की तीसरी मुक्केबाज और दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बनी थीं।  
लवलीना को अर्जुन पुरस्कार और मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

## न्यूज़ ब्रीफ

**एशियन खेल 2026 : भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रचा इतिहास, दक्षिण कोरिया को हराकर जीता स्वर्ण पदक**



**ओकाजाकी।** भारतीय महिला रिकर्व टीम ने शुक्रवार को एशियाई खेल 2026 में इतिहास रच दिया। कीर्ति, अकिता भक्त और कुमकुम मोहं की भारतीय तिकड़ी ने फाइनल में 10 बार की चैंपियन दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर महिला रिकर्व टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। यह इस स्पर्धा में एशियाई खेलों का भारत का पहला स्वर्ण है। फाइनल के पहले सेट में दक्षिण कोरिया की ली युनजी ने 7 और 9, कांग चेयान्ग ने 10 और 10 तथा येंजिन ने 9 और 9 अंक हासिल किए। भारत की ओर से अकिता भक्त ने 9 और 9, कीर्ति ने 9 और 7 तथा कुमकुम ने 10 और 10 अंक जुटाए। दोनों टीमों ने 54-54 अंक बनाए और सेट बराबर रहा। मुकाबले का स्कोर 1-1 हो गया। दूसरे सेट में दक्षिण कोरिया ने 56 अंक बनाए। भारत की ओर से अकिता भक्त ने 10-10, कीर्ति ने 8-8 और कुमकुम ने 10-10 अंक हासिल किए। भारत ने भी 56 अंक जुटाए और सेट फिर बराबर रहा। इसके साथ स्कोर 2-2 हो गया। तीसरे सेट में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55-51 से जीत दर्ज की। दक्षिण कोरिया की ओर से युनजी ने 8 और 8, चेयान्ग ने 10 और 8 तथा येंजिन ने 9 और 8 अंक बनाए। भारत के लिए कीर्ति ने 10 और 8, अकिता भक्त ने 9 और 9 तथा कुमकुम ने 9 और 10 अंक जुटाए। इस जीत के साथ भारत ने 4-2 की बढ़त हासिल कर ली।

**एशियन खेल 2026 : नौकायन के महिला डिगी स्पर्धा में नेत्रा कुमानन ने जीता कांस्य पदक**



**गामागोरी सिटी।** नौकायन में नेत्रा कुमानन ने शुक्रवार को एशियाई खेलों की महिला डिगी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वेनई की 29 वर्षीय ओलंपियन ने कुल 14 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। थाईलैंड की सोफिया मोंटोगेमरी ने पांच अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि सिंगापुर की जेनिया आंग ने 13 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। नेत्रा ने फाइनल और क्वालिफिकेशन रेंस में सात-सात अंक हासिल किए। नौकायन में प्रत्येक रेंस में फिनिशिंग पोजिशन के आधार पर अंक मिलते हैं। पहले स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को एक अंक मिलता है और सबसे कम कुल अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी या टीम प्रतियोगिता जीतती है। नेत्रा ने अपनी अंतिम दो रेंस में से एक में पहला स्थान हासिल किया, जबकि दूसरी रेंस में वह छठे स्थान पर रही। पुरुषों की डिगी स्पर्धा में भारत के विष्णु सरवनन पदक से मामूली अंतर से चुक गए और चौथे स्थान पर रहे। विष्णु ने अपनी दोनों अंतिम रेंस में दूसरा स्थान हासिल किया, लेकिन क्वालिफिकेशन में मिले 17 अंकों के कारण उनका कुल स्कोर 21 रहा।

**एशियन खेल 2026 : कुश्ती में भारत को झटके, ग्रिपका, रजत और दीपांशी को मिली हार**

**आइवी-नागोया।** एशियाई खेलों में कुश्ती के मुकाबलों में भारतीय पहलवानों के लिए शुक्रवार की सुबह निराशाजनक रही। महिला 76 किग्रा वर्ग में प्रिया मलिक, पुरुष फ्रीस्टाइल 125 किग्रा में रजत रुहाल और महिला

50 किग्रा में दीपांशी को अपने-अपने शुरुआती मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। महिला 76 किग्रा वर्ग के राउंड आफ 16 में प्रिया मलिक को किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत किजी ने 6-1 से हराया। भारतीय पहलवान पुरे मुकाबले में बंदत बनाने में सफल नहीं हो सकी और उन्हें पहले ही दौर में हारकर बाहर होना पड़ा। पुरुष फ्रीस्टाइल 125 किग्रा के राउंड आफ 16 में रजत रुहाल को कजाकिस्तान के येदिगे कासिमबेक ने 8-3 से मात दी। पहले दौर में रजत पर निष्क्रियता की चेतावनी मिली और कासिमबेक ने एक अंक हासिल कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे दौर में रजत ने शानदार वापसी करते हुए कजाक पहलवान के पैर पर हमला किया और टेकडाउन से दो अंक हासिल कर 2-1 की बढ़त बनाई। कासिमबेक को भी निष्क्रियता की चेतावनी मिली। इसके बाद रजत ने अच्छी रक्षात्मक कुश्ती करते हुए एक और अंक हासिल किया और स्कोर 3-1 कर दिया। हालांकि मुकाबले के अंतिम मिनिट में कासिमबेक ने लेग लेव के जरिए रजत को मुश्किल में डाल दिया और लगातार अंक जुटाते हुए बढ़त बना ली। अंत में कजाक पहलवान ने मुकाबला 8-3 से अपने नाम कर लिया।

# एशियाई खेल : स्वर्ण पदक के लिए आमने सामने होंगी भारत व पाक की क्रिकेट टीमें

**नई दिल्ली**  
एशियाई खेलों के क्रिकेट इतिहास में पहली बार भारत और पाकिस्तान की टीमें स्वर्ण पदक के लिए आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें शनिवार को करोगी स्पोर्ट्स पार्क में पुरुष क्रिकेट के स्वर्ण पदक के लिए भिड़ेंगी। भारत की नजर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीतने पर होगी। हांगझोउ 2023 में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का यह एशियाई खेलों में क्रिकेट का दूसरा अभियान है। अब तक खेले गए पांच मुकाबलों में भारत और पाकिस्तान का सामना नहीं हुआ था। महिला क्रिकेट में भी दोनों टीमें इस संस्करण में आमने-सामने नहीं आईं। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय महिला टीम ने हाल ही में श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता है।

भारत ने सेमीफाइनल में श्रीलंका की दूसरी पंक्ति की टीम को 124 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। चुनौतीपूर्ण पिच पर भारत ने पहले



बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 169 रन बनाए। ईशान किशन ने 46 गेंदों पर पांच छक्कों और चार चौकों की मदद से 80 रन की शानदार पारी खेली, जबकि युवा वैभव सूर्यवंशी ने 21 गेंदों पर 38 रन बनाकर अच्छी शुरुआत दी। 170 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम को भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शुरुआती झटके दिए। बुमराह ने अपने ओवर में दो विकेट लेकर श्रीलंका के शीर्ष क्रम को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने 7 रन देकर दो विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 8 रन देकर दो और अभिषेक शर्मा ने 2 रन देकर दो विकेट हासिल किए। भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका को महज 45 रन पर समेट दिया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने बारिश से प्रभावित सेमीफाइनल में बांग्लादेश को छह विकेट से हराया। बांग्लादेश ने 20 ओवर में 111 रन बनाए। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और साइम अयूब ने दो ओवर में सिर्फ तीन रन

देकर एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान को शुरुआती झटका लगा, जब मेहदी हसन ने दूसरे ओवर में साहिबजादा फरहान को आउट किया। इसके बाद माज सदाकत ने सात गेंदों पर 15, उस्मान खान ने नौ गेंदों पर 14 और साइम अयूब ने 12 गेंदों पर 21 रन बनाकर पारी को संभाला। पाकिस्तान का स्कोर एक समय मुस्तफिजुर रहमान के 10वें ओवर में 23 रन बटोरकर मुकाबला पाकिस्तान के पक्ष में कर दिया। समद ने अकेले 22 रन बनाए। पाकिस्तान को अंतिम 18 गेंदों में 13 रन चाहिए थे और हसन नवाज ने 12वें ओवर में विजयी चौका लगाकर टीम को फाइनल में पहुंचा दिया। दोनों टीमों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले बारिश के कारण धुल गए थे और सेमीफाइनल ही एशियाई खेलों में उनका पहला मुकाबला था। अब भारत और पाकिस्तान पहली बार एशियाई

खेलों में एक-दूसरे के खिलाफ उतरेंगे और मुकाबले में स्वर्ण पदक दांव पर होगा।

## मैच विवरण

**तारीख:** शनिवार, 3 अक्टूबर 2026  
**स्थान:** करोगी स्पोर्ट्स पार्क, निशिन  
**भारतीय टीम:** वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजु सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), ईशान किशन, अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, जसप्रीत बुमराह, अशदीप सिंह, यश ठाकुर, विप्रज निगम।  
**पाकिस्तान टीम:** साहिबजादा फरहान (कप्तान), माज सदाकत, उस्मान खान (विकेटकीपर), साइम अयूब, हसन नवाज, अब्दुल समद, अराफात मिन्हास, अहमद दानियाल, मोहम्मद वसीम जूनियर, अब्बारा अहमद, सुफयान मोकिम, साद मसूद, अली रजा, आकिफ जावेद, हैदर अली।

# बैडमिंटन में बांदा के अर्श मोहम्मद ने भारत में मेन्स डबल्स की टाप रैंकिंग की हासिल

**1037 रैंकिंग अंकों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान**

**बांदा**  
प्रतिभा, मेहनत और लगन के दम पर उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड की धरती के लाल अर्श मोहम्मद ने बैडमिंटन के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर पूरे बांदा जनपद को गौरवान्वित किया है।

बैडमिंटन एसोसिएशन आफ इंडिया की ताजा रैंकिंग में अर्श मोहम्मद ने मेन्स डबल्स वर्ग में 1037 रैंकिंग अंकों के साथ भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अभी हाल में ही सम्पन्न सीनियर योनेक्स सनराइज डा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया चैम्पियनशिप लखनऊ में युगल स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी अर्श मोहम्मद ने हासिल किया था। उनकी इस उपलब्धि से खेल जगत में खुशी की लहर दौड़ गई है और पूरे बुंदेलखंड के खेलप्रेमियों में उत्साह का माहौल है।

बांदा शहर के बलखंडी नाका में फैशन टेलर्स



के नाम से दुकान संचालित करने वाले अशाफाक अहमद के पुत्र अर्श मोहम्मद ने अपनी मेहनत, निरंतर अभ्यास और उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। मेन्स डबल्स में देश की शीर्ष रैंकिंग हासिल करना उनकी खेल प्रतिभा और वर्षों के संघर्ष का

परिणाम है। अर्श की इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी अपने परिश्रम और समर्पण से राष्ट्रीय खेल जगत में अपनी मजबूत पहचान बना सकती हैं। अर्श की इस ऐतिहासिक सफलता पर जिला ओलंपिक एसोसिएशन बांदा के अध्यक्ष रामेंद्र शर्मा, महासचिव डा. इन्द्रवीर सिंह, जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव कांजी जमोर, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के मीडिया प्रभारी सुनील सक्सेना, स्ट्रेडियम बैडमिंटन कोच भानु प्रताप, हार्पर क्लब के बैडमिंटन कोच अनवर अली, बैडमिंटन कोच प्रदीप कुमार, जिला वालीबाल एसोसिएशन के सचिव शिवकुमार गुप्ता, पूर्व जिला ब्रीडर अधिकारी सबल सिंह, जिला कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष अंकित कुशवाहा, सचिव कमल यादव, कमेंटेटर महेश गर्ग तथा महेश साहिल सहित खेल जगत की अनेक हस्तियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है। स्ट्रेडियम बैडमिंटन कोच भानु प्रताप ने विश्वास जताया कि अर्श मोहम्मद अपनी इस उपलब्धि को आगे बढ़ाते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि अर्श की सफलता बांदा और बुंदेलखंड के उभरते हुए खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी।

# एशियन खेल 2026 :धीरज और कुमकुम ने रचा इतिहास, मिश्रित रिकर्व टीम में भारत को पहली बार रजत

**आइवी-नागोया**  
भारतीय तीरंदाज धीरज बोममदेवरा और कुमकुम अनिल मोहोद ने एशियाई खेलों में मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में भारत को पहली बार रजत पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी को शुक्रवार को फाइनल में चीन के झू जिंगयी और ली मंगची के खिलाफ 3-5 से हार का सामना करना पड़ा।

इस नतीजे का मतलब यह भी था कि भारत मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा से मिलने वाले लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक क्वालिफिकेशन कोटे से चुक गया। वहीं, चीन की जोड़ी ने एशियाई खेलों की इस स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक का कोटा स्थान भी हासिल कर लिया।



मुकाबले की शुरुआत चीन ने मजबूत अंदाज में की। तीन संस्करण पुरानी इस स्पर्धा के पहले सेट में चीन ने आसानी से बढ़त हासिल की। भारत को कुमकुम के दूसरे तीर के सात

अंक पर लगने से नुकसान हुआ और चीन ने पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी चीन ने अपनी बढ़त मजबूत की। भारत की ओर से धीरज ने एकमात्र 10

अंक हासिल किया, लेकिन चीन ने बढ़त बनाए रखी। तीसरे सेट में भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले में रोमांच पैदा कर दिया। धीरज और कुमकुम दोनों ने 10-10 अंक हासिल किए, जबकि चीन की ली मंगची का एक तीर सात अंक पर लगा। भारत ने यह सेट जीतकर मुकाबले का स्कोर 3-3 कर दिया। भारत को वापसी की उम्मीद थी, लेकिन चीन ने निर्णायक सेट में 37 अंक हासिल कर सेट का स्कोर बराबर कर दिया और शूट-आफ की संभावना खत्म कर दी। इस तरह चीन ने मुकाबला 5-3 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि भारत को ऐतिहासिक रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इससे पहले सेमीफाइनल में भारत ने जापान की असाकुनो नानामी और नाकानिशी जुन्या की जोड़ी को 5-3 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। जापान ने सेमीफाइनल में 3-1 की

बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार अंक हासिल किए और स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया। इससे पहले, कुमकुम,अकिता भक्त और कीर्ति शर्मा ने महिला रिकर्व टीम फ़ाइनल में दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर स्वर्ण जीता और एशियाई खेलों में इस इवेंट में भारत का पहला पदक हासिल किया। यह जीत आइवी-नागोया खेल में भारत का 11वां स्वर्ण था, जबकि मिस्स्ट टीम के रजत पदक से देश के कुल पदकों की संख्या 68 हो गई, जिसमें 11 स्वर्ण, 24 रजत और 33 कांस्य पदक शामिल हैं। इस समय भारत पद तालिका में सातवें स्थान पर है। 17 साल की कुमकुम शुक्रवार को स्वर्ण जीतने वाली महिला टीम और रजत जीतने वाली मिस्स्ट टीम की जोड़ी, दोनों का हिस्सा थीं, जिससे वह इन खेलों में रिकर्व आर्चरी में भारत की प्रमुख खिलाड़ियों में से एक बन गई।